भारत सरकार

(जनजातीय कार्य मंत्रालय)

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या. †1281

उत्तर देने की तारीख 19.09.2020

जनजातीय लोगों की संस्कृति का संरक्षण

†1281. जी.एम. सिद्देश्वर:

क्या जनजातीय कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गत तीन वर्षों के दौरान देश में जनजातीय क्षेत्रों के विकास के लिए सरकार द्वारा किए गए व्यय का ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या उक्त अवधि के दौरान जनजातीय लोगों की संस्कृति के संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया गया है; और
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त अवधि के दौरान कितना व्यय किया गया है तथा यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

जनजातीय कार्य मंत्री
(श्री अर्जुन मुंडा)

(क): जनजातीय उप-योजना (टीएसपी) [जिसे अनुसूचित जनजाति घटक (एसटीसी) भी कहा जाता है], देश में जनजातीय विकास के लिए समर्पित निधि का स्रोत है। नीति आयोग द्वारा 41केंद्रीय मंत्रालयों को जनजातीय विकास के लिए प्रति वर्ष जनजातीय उप-योजना निधियों को उनके कुल योजना आवंटन के 4.3%से 17.5%की सीमा में निर्धारित करने के लिए अधिदेशित किया गया है। इसके अलावा राज्य सरकारों को राज्य में अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या के अनुपात में टीएसपी निधियों को निर्धारित करने के लिए अधिदेशित किया गया है। पिछले तीन वर्षों के दौरान देश में अनुसूचित जनजातियों के कल्याण और विकास के लिए केंद्र सरकार द्वारा किए गए व्यय का विवरण निम्नानुसार है:

(करोड़ रुपए में)

सरकार	**2017-18**	**2018-19**	**2019-20**
केन्द्रीय मंत्रालयों/विभागों के एसटीसी घटक	30020.25	33381.93	41943.43

(ख) तथा (ग): सरकार ने 24 राज्यों और 1 संघ राज्यक्षेत्र में जनजातीय अनुसंधान संस्थान स्थापित किए हैं। टीआरआई की मुख्य जिम्मेदारी ज्ञान और अनुसंधान के एक निकाय के रूप में और जनजातीय विकास, जनजातीय लोगों की कला और संस्कृति के संरक्षण के लिए विशेषज्ञ समूह के रूप में कार्य करना है। विभिन्न गतिविधियों को संचालित करने के लिए 'जनजातीय अनुसंधान संस्थानों को समर्थन' योजना (टीआरआई) के तहत जनजातियों को अनुसंधान अध्ययन, मूल्यांकन अध्ययन, प्रशिक्षण / संगोष्ठी / कार्यशाला का आयोजन, जनजातीय त्योहारों के आयोजन, आधारभूत सर्वेक्षण, प्रकाशन, वृत्तचित्र / प्रलेखन, विनिमय यात्राओं के आयोजन, जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के संग्रहालयों इत्यादि सहित संग्रहालयों के निर्माण जैसी विभिन्न गतिविधियों के लिए जनजातीय अनुसंधान संस्थान (टीआरआई) को सहायता योजना के तहत टीआरआई को निधियां प्रदान की जाती हैं। 'जनजातीय महोत्सव, अनुसंधान, सूचना और जन शिक्षा योजना के तहत' राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर जनजातीय त्योहारों और विभिन्न शोध अध्ययनों के लिए भी जनजातीय आबादी की संस्कृति का संरक्षण किया जाता है।

जनजातीय लोगों के वीर और देशभक्ति के कामों को सम्मानित करने के लिए, सरकार ने उन राज्यों में एक अत्याधुनिक जनजातीय संग्रहालय स्थापित करने का निर्णय लिया है जहाँ वे जनजातीय रहते थे, जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया और झुकने से इनकार कर दिया ताकि आने वाली पीढ़ियों को पता चल सके कि बलिदान देने में जनजातीय कितने आगे थे। जनजातीय कार्य मंत्रालय ने 9 राज्यों में जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालयों की स्थापना के प्रस्तावों को निम्नानुसार मंजूरी दी है

(करोड रुपए में)

क्र.सं.	राज्य	स्थान	परियोजना लागत	स्वीकृति का वर्ष	जनजातीय कार्य मंत्रालय की प्रतिबद्धता	दिनांक 16.09.2020 तक निर्मुक्त की गई निधि
1	गुजरात	राजपिपला	102.55	2017-18	50.00	50.00
2	झारखंड	रांची	36.66	2017-18	25.00	25.00
3	आंध्र प्रदेश	लम्बसिंगी	35.00	2017-18	15.00	7.50
4	छत्तीसगढ़	रायपुर	25.66	2017-18	15.00	4.65
5	केरल	कोझिकोड	16.16	2017-18	15.00	7.50
6	मध्य प्रदेश	छिंदवाड़ा	38.26	2017-18	15.00	6.93
7	तेलंगाना	हैदराबाद	18.00	2018-19	15.00	1.00
8	मणिपुर	सेनापति	51.38	2018-19	15.00	1.00
9.	मिजोरम	मुलंगो, केल्सिह	15.00	2019-20	15.00	7.00
कुल					165.00	110.58

वर्ष 2015 के बाद से लोक गीतों, खान-पान, प्रदर्शनी और पेंटिंग में पारंपरिक कौशल के अनूठे रूपों, कला और शिल्प, औषधीय प्रथाओं आदि के रूप के माध्यम से देश भर में जनजातीय लोगों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक दिखाने के लिए, जनजातीय कार्य मंत्रालय (एमओटीए) द्वारा प्रतिवर्ष राष्ट्रीय जनजातीय उत्सव / कार्निवल का आयोजन किया जाता है जिसका विवरण इस प्रकार है :-

वर्ष	विषय	अवधि	स्थान
2015	राष्ट्रीय जनजातीय उत्सव - वनज	13 - 18 फरवरी, 2015	इंदिरा गांधी कला और सांस्कृतिक केंद्र, नई दिल्ली
2016	राष्ट्रीय जनजातीय कार्निवल - 2016	25 - 28 अक्टूबर, 2016	इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम और प्रगति मैदान, नई दिल्ली
2017	राष्ट्रीय जनजातीय उत्सव (आदि महोत्सव)	16-30 नवम्बर, 2017	दिल्ली हाट, आईएनए, सेंट्रल पार्क, नई दिल्ली
2018	राष्ट्रीय जनजातीय उत्सव (आदि महोत्सव)	16-30 नवम्बर, 2018	दिल्ली हाट, आईएनए, नई दिल्ली
2019	राष्ट्रीय जनजातीय उत्सव (आदि महोत्सव)	16-30 नवम्बर, 2019	दिल्ली हाट, आईएनए, नई दिल्ली

समृद्ध जनजातीय सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और अन्य लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से, एक खोज योग्य डिजिटल निधान (संग्रह) (रिपॉजिटरी) विकसित की गई है, जहां सभी शोध पत्र, किताबें, रिपोर्ट और दस्तावेज, लोक गीतों, फोटो / वीडियो उनके 'मेटाडेटा' के साथ अपलोड किए गए हैं। इस संग्रहण में 10,000 से अधिक तस्वीरें, वीडियो और प्रकाशन है जो ज्यादातर टीआरआई द्वारा सहेजे गए हैं। इस संग्रहण में भारत की जनजातियों के लोक गीत, उनके विकास के चित्र, उद्भव स्थान, जीवन शैली, खान-पान, वास्तुकला, शिक्षा के स्तर, पारंपरिक कला, लोक नृत्य और अन्य मानवशास्त्रीय विवरणों के बारे में परिकल्पना की गई है ताकि उनकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को विश्व में प्रदर्शित किया जा सके।

देश भर के सभी जनजातीय अनुसंधान संस्थानों (टीआरआई) के कामकाज में तालमेल सुनिश्चित करने के लिए, सरकार राष्ट्रीय जनजातीय अनुसंधान संस्थान स्थापित करने पर विचार कर रही है ताकि जनजातीय संबंधित मुद्दों के लिए सरकार के संकल्प को साकार करने के लिए टीआरआई को बृहद सोच और ज्ञान केन्द्र के रूप में विकसित करने के लिए पर्याप्त सहायता प्रदान की जा सके ।

देश भर में पिछले तीन वर्षों के दौरान "जनजातीय अनुसंधान संस्थानों को समर्थन" और "जनजातीय उत्सव, अनुसंधान, सूचना और जनशिक्षा" योजना के तहत जारी की गई राशि का विवरण नीचे दिया गया है:

(करोड़ रुपए में)

योजना का नाम	**2017-18**	**2018-19**	**2019-20**
जनजातीय अनुसंधान संस्थान को सहायता	79.00	99.01	109.98

जनजातीय उत्सव, अनुसंधान, सूचना और जन शिक्षा	4.57	24.99	23.71

*****